

जैमिनीय साम प्रकृति गानम्

## ॥ अनुक्रमणिका ॥

आग्नेयपाठः	5
प्रथम खण्डः	5
॥ गौतमस्यपर्कः ॥	5
॥ कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥	5
॥ गौतमस्यचैवपर्कः ॥	5
॥ सौपर्णञ्च ॥	6
॥ वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥	6
॥ श्रौतर्षाणित्रीणि ॥	7
॥ औशनञ्च ॥	7
॥ शैरीषेच ॥	7
॥ इन्द्रस्यसंवर्गौवात्रग्रेद्वे ॥	8
॥ साकमश्वस्यशौनःशोपेःसामनी द्वे ॥	8
॥ वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥	8
॥ अग्रेश्ववैश्वानरस्यार्षेयम् ॥	9
॥ सुमित्रस्यचवार्द्धश्वेस्साम ॥	9
द्वितीय खण्डः	10
॥ अग्रेश्वसंवर्गः ॥	10
॥ वैश्वमनसञ्च ॥	10
॥ श्वाभाश्रौष्टेद्वे ॥	10
॥ वैश्वामित्रञ्च ॥	11
॥ अग्रेश्वजराबोधीये ॥	11
॥ मारूतञ्च ॥	11
॥ भार्गवेच ॥	12
॥ अग्रेश्ववारवन्तीयम् ॥	12
॥ और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥	12
॥ अत्रेश्वासङ्गम् ॥	13
॥ प्रजापतेश्चनिधनकामम् ॥	13
तृतीय खण्डः	14
॥ सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥	14
॥ अग्रेर्हरसीद्वे ॥	14
॥ इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥	14
॥ यामेद्वे ॥	15
॥ अग्रेराक्षोग्रेद्वे ॥	15

॥ वैश्वम्नसञ्च ॥ . . . . .	15
॥ अग्नेश्वाप्यम् ॥ . . . . .	15
॥ सोमसामच ॥ . . . . .	16
॥ गोपवनञ्च ॥ . . . . .	16
॥ सूर्यसामनीद्वे ॥ . . . . .	16
॥ कावञ्च ॥ . . . . .	17
॥ वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥ . . . . .	17
॥ गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥ . . . . .	17

## Alphabetical Index

18



# आग्नेयपाठः

## प्रथम खण्डः

### ॥ गौतमस्यपर्कः ॥

ओग्नाइ । आयाहीवाइ । तायाइतायाइ । गृणानोहव्यादा । तायाइतायाइ । नाइहोता ।  
त त श थाच् चा श टा टि श चा श चि टा टि श कि च  
सात्साइबाओहोवा । हीषि ॥ १ ॥  
ट ट खा शि ख श

### ॥ कश्यपस्यबर्हिषीयम् ॥

अग्नआयाहीवी । तायाइगृणानोहव्यदातायाइ । नीहोतासत्सीबर्हाइषी । बर्हाइषाओहोवा ।  
तू षू टी त श चि टी ता टा खा शि  
बर्हिषी ॥ २ ॥  
च खा

### ॥ गौतमस्यचैवपर्कः ॥

अग्नआयाहीवाइतायाइ । गृणानोहव्यदाताये । निहोतासात् । साइबाऋहाआइषो । हाइ  
तू ति श यू प श खि ण ट ता पा छि शा  
॥ ३ ॥

### ॥ सौपर्णञ्च ॥

त्वमग्नेयज्ञानांत्वमग्नाइ । यज्ञानांहोताविश्वेषांहाइताः । देवाइभाइर्मा । नु षे जनाओहोबा ।  
षू ति श षू टा ता क टि ता ताच्क टा ख षू  
होइळा ॥ ४ ॥  
षू शा

### ॥ वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा ॥

अग्निन्दूताम् । वृणीमहाइहोतारांवीश्ववेदसाम् । अस्ययाज्ञाओओहोवा । स्यासूकृतूमिळा  
टि त षू टि त चा चा टि त का त त चा टी  
भा । ओइळा ॥ ५ ॥  
खण प षू

## ॥ श्रौतर्षाणित्रीणि ॥

अग्निर्वृत्रा । णाइजाऔहोवा । घानात् । द्रविणास्युर्वीपन्यायाओइसमिद्धाश्शू । क्रायाहुताइ  
 ती ट खा शि ख शा च श क कि टा टु त चा

ळाभा । ओइळा ॥ ६ ॥

टी खण् प प्ला

अग्नीरौहोवाहाइवृत्राणी । जङ्घानादौहोवाइ । द्रविणास्यूः । ओइवाइपन्याया । सामाइद्धा  
 खा शि शु टा त टा त श पि ण षी टि टीट्

श्शूऔहोवा । क्रायाहूताः ॥ ७ ॥

ख शि टि ख

ओग्नीः । वृत्राणीजङ्घनादौहोऔहोवा । द्रवीणास्युर्वीपन्ययाऔहोऔहोवा । समिद्धाश्शुक्रया  
 त त कि की खि श चा क कि चा क खि श चि चि

औहोऔहोबाहूतो । हाइ ॥ ८ ॥

क खि प्ला श

## ॥ औशनञ्च ॥

प्रेष्ठवाः । अताइथीम् । स्तुषेमित्रमिवप्रायाम् । अग्नाइराथान्नावाहाइ । दाआयाम् । हाइ  
 ति टा ता चा टु त भी त टा खणश प प्ला शा

॥ ९ ॥

## ॥ शैरीषेच ॥

प्रेष्ठवयोहाइ । अताइथीम् । स्तूषाइमीत्रामीवाप्रायाम् । औहोइ । अग्नेराथान्नावे । दाया  
 ती त श टा ता ता श ता टा ख ण थ च श था टा प श ख श

म् । हाइ ॥ १० ॥

शा

प्रेष्ठवोहाबु । आतिथाइंस्तूषेमित्रामीवप्रायाम् । अग्नाइराथाऔहोवा । नावेदीयाम्  
 ति त श पु टू त टीट् ख शि टि ख

॥ ११ ॥

## ॥ इन्द्रस्यसंवर्गोवात्रघ्नेद्वे ॥

त्वन्नोया । ग्रेमाहोभिःपाहाइवीश्वा । स्याआरा ते रूताद्वाइषाः । मातर्यास्याइळाभा । ओइ  
 ति च था टु त च थिच् चा य टा क थ टि खण् प

ळा ॥ १२ ॥

शा

त्वांत्वन्नोअग्नेमहोभाइः । पाहिविश्वाऔहोस्याऔहोआरा ते रूताद्वाइषाः । मर्तोयाऔहोवा ।  
 षि ती त श क टी त टा त किच् चा य टा टाट् ख शि

स्या ॥ १३ ॥

ख

## ॥ साकमश्वस्यशौनःशेपेःसामनी द्वे ॥

एह्युषुब्रावाणाइताइ । अग्रइत्थेतरागाइराः । एभाइर्वाधा । सयाहाइ । दोभो । हाइ  
 फा खि शी पी टि चा टा चि टा खण्श प ल्हा शा  
 ॥ १४ ॥

एह्युषुब्रवौहोणाइताइ । अग्रइत्थेतरागीराः । एभिर्वाद्धा । सयाहाइ । दोभो । हाइ  
 पि ती ताश यू प श खि ण टा खण्श प ल्हा शा  
 ॥ १५ ॥

## ॥ वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे ॥

आतेवत्साः । मानोयमत्पारामाच्चित्साधास्थात् । अग्राइत्वाङ्का । मयोबागाइरो । हाइ  
 ती च श ची थ टि त भी त पा ल्हा प्लि शा  
 ॥ १६ ॥

आतेवत्सोमनोयमदय्याहाइ । पारामाच्चित्सधस्थादय्याहोइया । अग्रेत्वाङ्कामायाअय्याहोइ  
 पी तू त श पि दू कच् शा पी दूच् कच  
 या । गीराइळाभा । ओइळा ॥ १७ ॥  
 शा का टा खण् प शा

## ॥ अग्रेश्ववैश्वानरस्यार्षेयम् ॥

त्वामग्रेपुष्कारादधी । आथर्वानाइरामान्धाता । मूर्ध्नोवाइश्वा । स्यावोबाघातो । हाइ  
 तु ति च चा टी ख ण ख ल्हा ख णा पा ल्हा प्लि शा  
 ॥ १८ ॥

## ॥ सुमित्रस्यचवार्द्धश्वेस्साम ॥

अग्रेविवस्वदाभरोवाहाइ । अस्माभ्या मू तायाइमहाओवाहाओवाहाइ । दाइवोहियाओवाहा  
 पी तू त श चा काच् चा टि टा त टा त श च या टा टा त  
 ओवाहाइ । साइनाओहोवा । दृशे ॥ १९ ॥  
 टा त श ट खा शि ताच्

## द्वितीय खण्डः

### ॥ अग्रेष्वसंवर्गः ॥

नमस्तौहोग्राइ । ओजासाइगृणान्ताइदे । वाकारिष्ठायाः । आमाइरा माऔहोवा । त्रमर्दया  
ति त श कि टि ख णा च य टि टीट् ख शि खी  
॥ १ ॥

### ॥ वैश्वमनसञ्च ॥

दूतां वोविश्ववेदसाम् । हाव्यावाहाममार्तायम् । याजिष्ठमृञ्जसेहाइ । गीराऔहोबा । होइळा  
ण फ ख शु थ टु ख ण च टु त श च टा ख ण्ण ण्ण शा  
॥ २ ॥

### ॥ श्राभाश्रौष्टेद्वे ॥

उपत्वाजा । मयोगीराः । ओइयायूर्दाइदिशतीर्हाविष्कृताः । ओइयायूर्वायोरानी । कया  
ती टा टा पु तू टि क टिच्च क टा त  
स्थाइरान् । अश्वागावाः ॥ ३ ॥  
खि त्रा था ट ख

उपत्वाजामायोगीराः । दाइदिशाताइर्हाविष्कार्ताः । वायोरनाहाइकाया । स्थाइराऔहोवाइ  
तु ति च श का टी ख ण ती ती टि खा  
ळा ॥ ४ ॥  
शि

### ॥ वैश्वामित्रञ्च ॥

ऊपात्वाग्नेदिवेदिवाइ । दोषावास्तार्द्धीयावायम् । नामोभारा न्ताएमासाइ । ओइळा  
पि शू टा टा चा चा टा टाच्च च क ट खण्ण श प शा  
॥ ५ ॥

### ॥ अग्रेष्वजराबोधीये ॥

जारा । बोधाबोधाताद्वीविट्ठाइ । वीशेवाइशेयज्ञोयायाऔहोवा । स्तोमंरूद्रायदृशीकाम्  
ता टा टा चा चाश का टि टा खा शि का कू च  
॥ ६ ॥

जराबोधोवा । ताद्वीविट्ठाइ । वीशाइवाइशे । याज्ञीयायास्तोमांरूद्रायादृ । शीकोइळा  
ती त च चिश टी ता थ श किच्च च य प ण श खा शा  
॥ ७ ॥

### ॥ मारूतञ्च ॥

प्रातित्याञ्चारूमध्वराम् । गोपीथायाप्राहुयासाइ । मारूत्भीराग्नायागहाऔहोबा । होइळा  
पि शु था चिक ख ण श चा क टि च टा ख ण्ण ण्ण शा  
॥ ८ ॥



## ॥ भार्गवेच ॥

आश्वाऔहोवा । नात्वाऔहोवा । वारवन्तंवन्दध्यै । आग्नाऔहोवा । नमोभिस्सम्प्राजन्ताम्  
 टा खा श टा खा श षी ति टा खा श षि तु  
 । आध्वराणामौहोवा । होइळा ॥ ९ ॥  
 कि पा प्ला प्ला शा

अश्वन्नत्वावारवन्ताम् । वन्दध्याअग्निन्नमोभाइः । सम्प्राजन्तामाध्वराऔहोवाइहोहाइ । औ  
 षी ती षि चु श क थाच् चा खा खु ण श क  
 होयाऔहोवा । णाम् ॥ १० ॥  
 ट ख शि ख

## ॥ अग्रेश्ववारवन्तीयम् ॥

अश्वन्नत्वाबुहोहाइ । वारावान्तंवन्दध्योहाइ । अग्नाइन्नमाऔहोवाइहोहाइ । उहुवाभीः । स  
 तू त श खि श का प ण श पु खु ण श खि ण क  
 म्प्राजन्तामाध्वराऔहोवाइहोहाइ । उहुवाणामेहियाहा । होइळा ॥ ११ ॥  
 था पी खु ण श पि प्ली श प्ला शा

## ॥ और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे ॥

और्वभृगुवदोहाइ । शोचिम् । आप्तावानावादाहुवाइहुवायोइ । अग्नाइंसा मू सामूओ । द्रावा  
 चू त श ख श टि क टा टा ची श टा टिच् चि चा  
 सासाबु । बा ॥ १२ ॥  
 क त श ख

और्वभृगुवच्छुचिमेशुचिम् । आप्तावानावादाहुवाइहुवाइहुवाए । अग्नाइंसामूसामूसामूए । द्रा  
 षु ति ता कि च टा ता टि टि त टी त टा टा त इ  
 वाऔहोवा । सासामे ॥ १३ ॥  
 ख शि च ट ख

## ॥ अत्रेश्वासङ्गम् ॥

अग्निमिन्धानोमनसौहोऔहोवाहाइ । धीयंसचेतमौहोहाहोवार्त्याः । अग्नाइमाइन्धाऔहोवा ।  
 षि ते त श टू ट त टा ता टीट् खा शि  
 वीवास्वाभीः ॥ १४ ॥  
 टि ख

## ॥ प्रजापतेश्चनिधनकामम् ॥

आदिप्रत्नास्यरेतसाः । ज्योतिःपश्यन्तिवासाराम् । पारोयातिध्यताइ । दिविहोइहोऔहोऔ  
 फी शा का षी टि च टि चि श कू का  
 होवाहाबु । बा ॥ १५ ॥  
 पा प्ला श ख

## तृतीय खण्डः

### ॥ सैन्धुक्षितानित्रीणि ॥

अग्निंवोवृधान्ताम् । आध्वाराणांपूरूतामौहोवाहाइ । आच्छानाप्रे । साहोबास्वातो । हाइ  
 तु त चा थाच् का य ट टा त श टा टा क प प्ल प्ला शा  
 ॥ १ ॥

अग्निंवाए । वृधन्तामध्वराणांपूरूतममच्छाहोइनाप्रे । साहास्वाताइ । ईति ॥ २ ॥  
 ति त षि कू टीच् य टा त पि त्र श ख श

अग्निंवोहाइ । वृधान्ताम् । आध्वराणांपूरूतामाम् । अच्छानप्रेहोहाइ । साहोहाइ । स्वाता  
 ति त श टा त यू प श खी ण श क प च श क  
 औहोबा । होइळा ॥ ३ ॥  
 टा ख प्ल प्ल शा

### ॥ अग्नेर्हरसीद्वे ॥

आग्नाउवोवा । तिग्मेनाशोचाइषाउवोवा । यंसाउवोवा । वाइश्वान्यात्राइणाउवोवा । अग्नि  
 टा खा श थाच् क टी खा श टा खा श टू खा श  
 नोवंस ते रायीम् ॥ ४ ॥  
 टि किच् चा

ओहायाग्रीः । ताइग्मेनाशोचाइषा । यंसाद्वाइश्वानीयात्राइणम् । अग्निर्नोवंसाताओहोवा ।  
 ती ख शा खि णा टा ख शा खि णा टि टाट् ख शि  
 रायिम् ॥ ५ ॥  
 ख श

### ॥ इहवद्वामदेव्यंतृतीयम् ॥

अग्निस्तिग्मेनशोचिषाइहा । यंसद्विश्वन्यत्रीणामिहा । अग्निर्नोवंसताइहा । राआयाइं । हाइ  
 षी तू षी टि ता टू ता प प्लि शा  
 ॥ ६ ॥

### ॥ यामेद्वे ॥

अग्नाइमृळामहंयासी । आयआदाइवयुन्जानम् । ईयेथाबार्हिरासा । दाम् ॥ ७ ॥  
 टु खि ण टी खी ण टी खि त्र

आग्नेमृळामाहंयासिओहाओहा । आयाआदेवायुन्जनामोहाओहा । इयाईथाबार्हिरासा । दा  
 ण फ फि फि खा ख श ण फ फि फि ख खा श टी खा त्र  
 म् ॥ ८ ॥

## ॥ अग्रेराक्षोघ्नेद्वे ॥

अग्रेराक्षानोअंहासः । प्रातिस्मदेवारीषाताः । तापाइष्ठाइरा । जरोदाहा । ओइळा  
 ॥ ९ ॥  
 स्वी श ण्णि की टि त टी ता टि खण् प शा

अग्रेयूङ्वाहीयेतावा । अश्वासोदेवासाधावाः । आरंवाहान्तीयाशावाः । ओइळा ॥ १० ॥  
 स्वी श ण्णि ची टि त टि त क टा खण् प शा

## ॥ वैश्वम्रसञ्च ॥

नित्वाहोइनक्ष्या । वाइस्पाताइद्यूमन्तन्धाइमाहेवायम् । सुवोहाइ । रामग्राओबाहूतो । हा  
 इ ॥ ११ ॥  
 स्वि शि च चि श क था चि क ख ण ता त श चि प ण्णि  
 शा

## ॥ अग्रेश्चार्षेयम् ॥

अग्निर्मूर्धादीवःककूत् । पातीःपार्थीव्याअयाम् । आपांराइतांसीजिन्वाताइ । ओइळा  
 ॥ १२ ॥  
 तु ति टा टा चि टा टि क टा खण्श प ण्णा

## ॥ सोमसामच ॥

इममूषू । त्वामास्माकाम् । सानिंहोइगायाहोतृन्नव्यांसाम् । आग्रेहोइदेवाहोषुप्रावोचाः ।  
 ओइळा ॥ १३ ॥  
 ती टि त टा टी क थ टा ता टा टी कथ् टि खण्  
 प ण्णा

## ॥ गोपवनञ्च ॥

तन्त्वागोपा । वानोगाइराः । जनाइष्ठादग्रायाङ्गाइराः । सपौवाउवोवाकौवाउवोवा । श्रुधीह  
 वां । होइळा ॥ १४ ॥  
 ती टा ख णा चा टू ख णा खु श खि ण  
 ण्णी प शा

## ॥ सूर्यसामनीद्वे ॥

परियौहोइवाजा । पाताइःकावीः । अग्नीर्हव्यान्नायःक्रमीत् । दधाद्रात्नाऔहोवा । निदाशू  
 षे ॥ १५ ॥  
 षी ति चा या ट चा था ट टि टिट् शि ता  
 टाख्

उदुत्यमोहाइ । जातावेदासम् । देवंवहन्तीकेतावाः । दार्शेहाइ । वाइश्वायासूर्यामौहोबा  
 । होइळा ॥ १६ ॥  
 ती त श कि ख ण क कु ख ण पा ण श किच् क पि ण्णा  
 ण्णा शा

## ॥ कावञ्च ॥

कविमग्नीम् । उपास्तूहा औहोवा । सत्याधर्माणमाध्वारे । देवाममी । वाचातानाम् । ओइ  
 ती टि ख शि चा क चि चा ती टि खण् प  
 ला ॥ १७ ॥  
 प्ला

## ॥ वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे ॥

शन्नोदेवीः । आभीष्टायाइशन्नोभुवाम् । तूपीतायाइशय्योरभीः । श्रावान्तूना औहोवा । ऊपा  
 ती टि ख शु टि ख शु टि ख शि ख श  
 ॥ १८ ॥

हुवाहोइशन्नोदेवीरभिष्टयाइ । हुवाहोइशन्नोभुवान्तूपीतायाइ । हुवाहोइशय्योरभीस्रवन्तुनाः ।  
 ता प पु डि श ता प पु डी श ता प पु डि श  
 हुवाहोया औहोवा । ऊपा ॥ १९ ॥  
 ता ट ख शि ख श

## ॥ गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे ॥

कस्यानूनाम्पारीणासी । धीयोजिन्वासीसात्पाताइ । गोषातायास्याता औहोवा । उप्पीराः  
 टी खि ण टी खि ण श च चा टाट् ख शि खा श  
 ॥ २० ॥

ओहोवाइहुवाइहुवाए । कस्यानूनाम्पारीणासी । ओहोवाइहुवाइहुवाए । धीयोजिन्वासीसात्पा  
 क था टि चि त खी चा फा क था टि चि त खी चा  
 तीम् । ओहोवाइहुवाइहुवाए । गोषातायस्यतागाइ । राः ॥ २१ ॥  
 फा क था टि चि त ष खू श त्र

# Alphabetical Index

अग्रेराक्षोघ्नेद्वे, 11  
अग्रेर्हरसीद्वे, 10  
अग्रेश्चजराबोधीये, 8  
अग्रेश्चवारवन्तीयम्, 9  
अग्रेश्चवैश्वानरस्यार्षेयम्, 7  
अग्रेश्चसंवर्गः, 8  
अग्रेश्चार्षेयम्, 11  
अत्रेश्वासङ्गम्, 9  
इन्द्रस्यसंवर्गोवात्रघ्नेद्वे, 6  
इहवद्वामदेव्यंतृतीयम्, 10  
और्वस्यवैधारेस्सामनीद्वे, 9  
औशनञ्च, 6  
कश्यपस्यबर्हिषीयम्, 5  
कावञ्च, 12  
गोपवनञ्च, 11  
गौतमस्यचैवपर्कः, 5  
गौतमस्यपर्कः, 5  
गौराङ्गिरसस्यसामनीद्वे, 12  
प्रजापतेश्चनिधनकामम्, 9

भार्गवेच, 9  
मारूतञ्च, 8  
यामेद्वे, 10  
वत्सस्यकाण्वस्यसामनीद्वे, 7  
वसुरोचिषस्सौर्यवर्चस्यसामनीद्वे, 12  
वैश्वमनसञ्च, 8  
वैश्वमनसञ्चादित्यसामवा, 5  
वैश्वमनसञ्च, 11  
वैश्वामित्रञ्च, 8  
शैरीषेच, 6  
श्राभाश्रौष्टेद्वे, 8  
श्रौतर्षाणित्रीणि, 6  
साकमश्वस्यशौनःशेपेःसामनी द्वे, 7  
सुमित्रस्यचवार्द्धश्वेस्साम, 7  
सूर्यसामनीद्वे, 11  
सैन्धुक्षितानित्रीणि, 10  
सोमसामच, 11  
सौपर्णञ्च, 5